

Total No. of Printed Pages—3

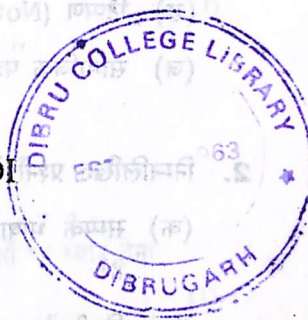
3 SEM TDC EL HND 1

2014

(November)

ELECTIVE HINDI

(General)



Course : 301

(प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8=8
- (क) भारतीय संविधान देश में कब से लागू हुआ?
 - (ख) पारिभाषिक शब्द का अंग्रेजी प्रतिशब्द क्या है?
 - (ग) पल्लवन में क्या करना होता है?
 - (घ) पल्लवन का विपरीतार्थक शब्द क्या है?
 - (ङ) कथानुवाद से आप क्या समझते हैं?
 - (च) वार्तानुवाद अर्थात् आशु अनुवाद क्या है?

(2)

(3)

(छ) टिप्पण (Noting) क्या है?

(ज) सामाजिक पत्र से क्या तात्पर्य है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4×8=32

(क) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी भाषा कहाँ तक सफल है?

(ख) हिन्दी में तकनीकी शब्दावली के विकास पर एक संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ग) पल्लवन के समय किन-किन बातों पर विशेष ध्यान देना पड़ता है?

(घ) पल्लवन की विधियों पर विचार कीजिए।

(ङ) अनुवाद प्रक्रिया क्या है? इसके बारे में पश्चिमी विद्वानों के सिद्धान्त का उल्लेख कीजिए।

(च) अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(छ) आलेखन (Drafting) की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ज) बधाई-पत्र से क्या तात्पर्य है? आपके मित्र या सहेली को एक बधाई-पत्र लिखिए।

3. पारिभाषिक शब्द की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

10

अथवा

विदेशों में हिन्दी प्रचार-प्रसार का एक संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. पल्लवन कीजिए :

10

“सुन्दर आचरण, सुन्दर शरीर से अच्छा है।”

अथवा

“गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।”

5. अनुवाद करते समय अनुवादक को किन-किन बातों पर ध्यान देना पड़ता है?

10

अथवा

अनुवाद का स्वरूप बताकर सफल अनुवादक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6. टिप्पणी के सामान्य नियम और उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

10

अथवा

सरकारी पत्राचार के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए उसका सामान्य परिचय दीजिए।
